1

641

दृष्टि The Vision

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

टेस्ट-13

निर्धारित समयः तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF / OPT-24 **PSIR-2413**	*अधिकतम अंकः 250* *Maximum Marks: 250*

Name: Ritik Arya **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** 3094

Center & Date: M.N., 9/09/2024 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0800386

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

***Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer** (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
							सकल योग (Grand Total)						

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

Answer the following in about 150 words each:

(a) टिप्पणी कीजिये: द्वंद्वात्मक भौतिकवाद।
Comment: Dialectical Materialism.

हीगल के द्वंद्वात्मक ~~भौति~~ विचार को मार्क्स ने द्वंद्वात्मक भौतिकवाद मे बदल दिया जहाँ विचार नही अपितु आर्थिक अवस्था ही महत्वपूर्ण है

मार्क्स ने इतिहास के परिवर्तन का आधार अर्थव्यवस्था को माना। इसी क्रम मे उसने द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का विकास किया।

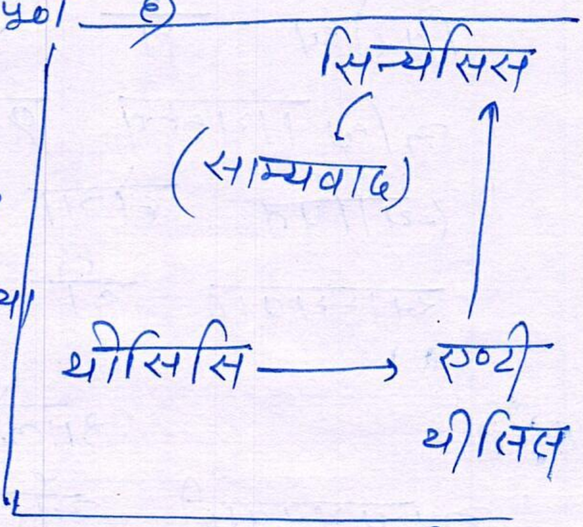

जहाँ हीगल के विचारों मे थीसिस एन्टीथीसिस के बाद सिन्थेसिस मे जर्मन राष्ट्र राज्य का निर्माण सर्वोच्च अवस्था थी तो मार्क्स के में साम्यवाद।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मार्क्स ने कहा पूंजीवाद के विकास मे सर्वहारा मे एक द्वन्द्व पैदा होता है- जो पूंजीवाद के शोषण के परिणामस्वरूप आता है) इसे वर्गीय चेतना का विकास होता है। इस प्रकार पूंजीवाद के विरोध मे सर्वहारा वर्ग का अधिनायकत्व क्रांति के द्वारा स्थापित होगा तथा उसके बाद साम्यवाद की स्थापना होगी। (दास कैपिटल)

आलोचक इसे आर्थिक अपचयनवादी और कल्पनालोकी विचार कहते हैं। क्योंकि अर्थव्यवस्था हर चीज का आधार नही हो सकती और साम्यवाद कभी भी अपने सही रूप मे नही आ पाया। फिर भी मार्क्स भौतिक द्वन्द्वात्मक द्वारा पूंजीवाद के शोषण को उजागर करता है

drishti दृष्टि The Vision

(b) हॉब्स के संप्रभुता के सिद्धांत का वर्णन कीजिये।
Describe Hobbes' theory of sovereignty.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हॉब्स जब विचार दे रहा था तब इंग्लैण्ड मे गृहयुद्ध चल रहे थे। स्पेन का आक्रमण होने वाला था। ऐसे मे अव्यवस्थित इंग्लैण्ड के लिए वह लेवायथन मे शक्तिशाली राजा का विचार देता है।

वह सामाजिक समझौते के द्वारा राजा/राज्य को धर्म/चर्च से पृथक करता है और पंथनिरपेक्षता के विचार का आधार रखता है। उसने राजा को चर्च से ऊपर माना है।

वह राजा को ही संप्रभुता का आधार बताता है। राजा सभी विधियों से ऊपर है। उस पर किसी भी विधि द्वारा प्रतिबंध नही लगाया जा सकता।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हॉब्स ने मैकियावेली के प्रिंस से भी ज्यादा शक्तिशाली लेवायथा राजा को बताया है हॉब्स ने कहा राजा का प्रथम कार्य है इंग्लैण्ड मे शांति स्थापित करना।

मैकफर्सन (Possessive Individualism : Hobbes & Locke) मे हॉब्स के संप्रभुता के विचार को पूंजीवादी विचार कहते है क्योंकि यह संप्रभुता पूंजीपतियों के हित साधने के लिए है

बोदीन ने संप्रभुता के विचार को आधार रखा जिसे हॉब्स ने आगे बढ़ाया। फिर ऑस्टिन ने इसे संवैधानिक संप्रभुता के रूप मे वर्णित किया। वर्तमान समय मे राज्य को ही संप्रभुता का केन्द्र माना जाता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) टिप्पणी कीजिये: अरस्तू की दास प्रथा की अवधारणा।
Comment: Aristotle's conception of Slavery.

जहाँ प्लेटो दास प्रथा को अस्वीकार करता है वहीं अरस्तू दास प्रथा का समर्थन करते है।

अरस्तू ने कहा दास मे विवेक नही होता है इसलिए उसे अपने मालिक के संरक्षण मे रहना चाहिए। मालिक के साथ रहते-2 उसमें बुद्धि का विकास होगा।

चूँकि मालिक बौद्धिक कार्य करता है इसलिए उसे लेजर (आराम) की ~~[illegible]~~ जरूरत होती है- जो दास द्वारा पूरी की जाएगी। इससे दास व मालिक दोनों को लाभ होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उसने कहा है दास दो प्रकार के है पहले जो युद्ध मे पराजित है, द्वितीय जिन्हें खरीदा गया है) यूनानी लोग दास नही हो सकते। दास जन्म से भी नही होते है।

इसलिए सेबाइन ने कहा उसके दास वर्तमान समय के नौकर जैसे हैं न कि यह अमेरिकी दास व्यवस्था जैसे है) क्योंकि अरस्तू न तो जन्म से दास का समर्थन करता और न ही उन्हें हमेशा के लिए दास बने रहने की बात करता है)

drishti | दृष्टि The Vision

(d) ग्राम्शी की जैविक बुद्धिजीवियों की अवधारणा की व्याख्या कीजिये।
Explain Gramsci's concept of Organic Intellectuals.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मार्क्स के दार्शनिक आर्थिक आधारों को ग्राम्शी ने स्वीकार किया है परंतु जहाँ मार्क्स बेसिक स्ट्रक्चर अर्थव्यवस्था को महत्व देते वहीं दूसरी तरफ ग्राम्शी नागरिक समाज बुद्धिजीवियों को महत्व देता (सुपर स्ट्रक्चर)

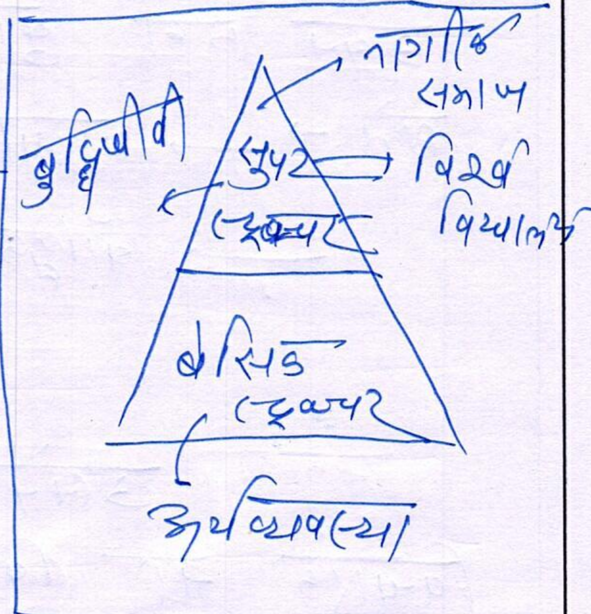

ग्राम्शी ने लेनिन की साम्यवादी क्रांति को नया सवेरा कहा परंतु वह लेनिन के क्रांति के तरीके को स्वीकार नहीं करता।

ग्राम्शी ने कहा पूंजीवाद एवं पूंजीपति संस्कृति द्वारा आधिपत्य स्थापित करता है जिसके लिए वह

चर्च, विश्वविद्यालय, बुद्धिजीवियों का प्रयोग करता है

इसी क्रम में काउंटर हेजेमनी (प्रति आधिपत्य) के लिए साम्यवादी संस्कृति का प्रसार करना होगा। इसके लिए साम्यवादी बुद्धिजीवियों का सहारा लिया जाएगा।

उसने कहा बुद्धिजीवी दो प्रकार के होते →
- पारंपरिक → यह पुराने विचारों का प्रसार
- बौद्धिक / जैविक बुद्धिजीवी → यह नए विचारों का निर्माण

उसने कहा मार्क्स जैसे विचारक नए विचारों को जन्म देते है। ग्राम्शी ने कहा इटली में सांगठनिक व जैविक बुद्धिजीवी पाए जाते है जो क्रांति को जन्म देंगे।

आगे नवमार्क्सवादी हरबर्ट मारक्यूज, रॉबर्ट कॉक्स ग्राम्शी के विचारों से प्रभावित है

drishti | दृष्टि The Vision

(e) राजनीति पर हन्ना के विचारों का संक्षेप में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
Briefly bring out a critical examination of Hannah's views on Politics.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हन्ना आरेंट अरस्तू से प्रभावित थी इसलिए उन्होंने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ राजनीति को सामुदायिक भलाई का विचार कहा है जहाँ राजनीति उच्च आदर्शों की स्थापना करना है।

हन्नाह ने कहा व्यक्ति मे दो आकांक्षाएँ होती है प्रथम अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति (Work), द्वितीय कला, संगीत (Action)। जबकि राजनीति के लिए भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तुच्छ चीज है।

उन्होंने अपनी पुस्तक Origin of Totalitarianism मे कहा कि पूंजीवाद द्वारा साम्राज्यवाद, यहूदी के

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नाम पर व्यक्तियों की स्वतंत्रता को ही बाधित कर दिया। अन्धराष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया तथा व्यक्ति के कर्तव्यों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा मार्क्सवादी भी समानता के नाम पर जातीवाद को ही आगे बढ़ाते हैं जो लेनिन के साम्यवादी दल व स्टालिन के व्यक्ति पूजा में दिखता है।

हिलाह ने कहा राजनीति समुदाय भलाई का नाम है और यह मास्टर साइंस है। व्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके अधिकार सबसे ज्यादा जरूरी है राज्य का कर्तव्य है कि वह व्यक्ति के नैतिक व आत्मिक विकास में सहायक हो।

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) "निजी संपत्ति उस आश्रित वर्ग के शोषण का साधन है जिसके पास स्वयं की संपत्ति नहीं होती है।" कार्ल मार्क्स के शब्दों में इस कथन की व्याख्या कीजिये। 20

"Private property is an instrument of exploitation of the dependent class who do not own property" Explain this statement in the words of Karl Marx. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) जॉन स्टुअर्ट मिल महिलाओं के अधिकारों के समर्थक थे। "महिलाओं की अधीनता" पर उनके निबंध से प्रेरणा लेते हुए, महिला अधिकारों के लिये उनके समर्थन पर टिप्पणी कीजिये। 15

John Stuart Mill was a champion of women rights. Drawing inspiration from his essay on "The subjection of women", comment on his advocacy for women rights. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) रॉल्स के न्याय सिद्धांत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 15
Critically analyze Rawl's Theory of Justice. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. (a) "समान लोगों के साथ असमान व्यवहार करना उतना ही अन्यायपूर्ण है जितना असमान लोगों के साथ समान व्यवहार करना।" अरस्तू के क्रांति के सिद्धांत के प्रकाश में इस कथन की विवेचना कीजिये। 20

"It is unjust to treat equals unequally and it is equally unjust to treat unequal equally". Discuss this statement in light of the Theory of Revolution of Aristotle. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) राजनीति के अध्ययन के अनुभवजन्य और मानक दृष्टिकोण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। 15

Distinguish between Empirical and Normative approach to the study of politics. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) आइसायह बर्लिन की सकारात्मक और नकारात्मक स्वतंत्रता की अवधारणा को परिभाषित कीजिये। 15

Define Isaiah Berlin's concept of positive and negative liberty. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) डॉ. अंबेडकर ने अपनी कृति "एनिहीलिशेन ऑफ कास्ट" के माध्यम से जाति व्यवस्था को समाप्त करने की कोशिश की क्योंकि उनका मानना था कि लोगों की जाति ही उनके वर्ग का निर्धारण करती है। परीक्षण कीजिये। 20

Dr. Ambedkar, through his work "Annihilation of Caste," sought to abolish the caste system as he believed that it is the Caste of people that determines their class. Examine. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक न्याय के पुरोता, संविधान के जनक डा० अम्बेडकर के विचार भारतीय चिंतकों में उल्लेखनीय है। एक बौद्धिक विचारक, जननेता, आंदोलनकारी, संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने अथवा संघर्ष किया।

डा० अम्बेडकर जातिवाद को पूर्णत: समाप्त करना चाहते थे। उन्होंने Annihilation of Caste में लिखते हुए कहा कि वर्ण व्यवस्था ही जाति व्यवस्था का आधार है। उन्होंने वर्ण व जाति में कोई अंतर नहीं किया जबकि गांधी दोनों को अलग मानते थे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उन्होने कहा जातिवाद के कारण व्यक्ति की स्वतंत्रता, अधिकार समाप्त हो जाते हैं। उन्होने अपनी पुस्तक Riddles of Hinduism मे लिखा कि ब्राह्मणवादी व्यवस्था ही इसके लिए उत्तरदायी है जहाँ समाज का स्तरीकरण कर दिया है। उन्होने मनुस्मृति को जातिवाद के लिए प्रमुख जिम्मेदार माना तथा उसका प्रति जलाकर विरोध किया।

उन्होने कहा जाति के आधार पर व्यक्ति के वर्ग को निर्धारित कर दिया जाता है उसे वो काम करने पड़ते है जो वह नही करना चाहता यह दासता की तरह है।

drishti | दृष्टि The Vision

आगे अपनी पुस्तक Who Were the Shudras मे उन्होने जाति की उत्पत्ति का आधार बताया और कहा कि बौद्ध धर्म और ब्राह्मण धर्म के बीच के संघर्ष का परिणाम ही जातिव्यवस्था है जहाँ अस्पृश्यता जैसा घिनौना रूप पाया जाता है

उन्होने महार लोगो से कहा कि उन्हें निम्न कार्य बंद कर देने चाहिए —

(1) मैला ढोना
(2) हाथ से मृत पशु की खाल निकालना

अम्बेडकर ने मार्क्सवादी दृष्टिकोण को भी नही अपनाया जो आर्थिक आधार पर वर्ग का निर्माण करते है जबकि सामाजिक आधार पर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जातिभेदभाव जैसी कुप्रथा स्थित है उन्होंने भारतीय मार्क्सवादियों को उच्च वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाला कहा।

वह लोकतांत्रिक तरीके से संविधान द्वारा अधिकारों की मांग करते हैं और 'आरक्षण' जैसी व्यवस्था की वकालत करते हैं जबकि गांधी हृदय परिवर्तन द्वारा और मार्क्सवादी क्रांति द्वारा शोषण स्थापित करना चाहते थे।

आगे संविधान निर्माता के रूप में वह 'आरक्षण' का प्रावधान तथा अनु० 17 द्वारा अस्पृश्यता की समाप्ति करते हैं वह शिक्षा पर विशेष बल देते हैं –
" शिक्षित रहो, संगठित रहो और संघर्ष करो।"

drishti | दृष्टि The Vision

(b) एम.एन. रॉय द्वारा पार्टी-रहित लोकतंत्र की वकालत करने के पीछे क्या कारण हैं? चर्चा कीजिये। 15

What are the reasons behind advocating party-less democracy by M.N. Roy? Discuss. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एम. एन. रॉय भारतीय आंदोलन मे मार्क्सवादी दृष्टिकोण को इंगित करते है अपने जीवन की शुरुआत मे वह राष्ट्रवादी और अंत मे वैज्ञानिक मानववादी हो गए।

एम.एन. रॉय लेनिन के साम्यवाद से प्रभावित थे, मार्क्स के विचारों को हूबहू स्वीकार करते थे परंतु वह लेनिन के इस विचार को स्वीकार नही करते थे कि भारत के मार्क्सवादियो को कांग्रेस के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होने कहा भारत मे पर्याप्त मार्क्सवादी विचारक उत्पन्न हो गए हो जो क्रांति को जन्म दे।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे मानववादी होने के कारण
आप 1946 भारत की स्वतंत्रता का
वैकल्पिक मॉडल रखते हैं। उन्होंने
पार्टी रहित लोकतंत्र की वकालत
की है जबकि गांधी भी
कांग्रेस को समाप्त चाहते थे।
परंतु रॉय के इसके पीछे
के कारण →

(1) पार्टियाँ देश के हितों को
छोड़कर अपने हितों को
आगे बढ़ाती है।

(2) कांग्रेस की आलोचना करते
हुए उसने इसे बुर्जुआ
का नेतृत्व करने वाला कहा
और नेहरू को असमाजवादी
समाजवादी कहा।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) लोकतंत्र में सबका महत्व होता है। अल्पसंख्यकों के भी समान अधिकार प्राप्त होते हैं परंतु पार्टियाँ बहुमतवाद व तानाशाही को आगे बढ़ाती हैं

(4) नेता देश के प्रति प्रतिबद्ध न होकर पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध हो जाते हैं

इस प्रकार राय महामानववादी थे। जिन्होंने शिक्षा को आधार माना। सभी के लिए स्वतंत्रता व उत्थान का विचार दिया।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) "अहिंसा का सिद्धांत गांधी के अन्य सभी विचारों का आधार था, यह उनका धर्म और प्रोत्साहन था"। गांधी के इस मूलभूत सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 15

"Ahimsa was the foundation of all other ideas of Gandhi, it was his religion and geed". What do you understand by this foundational principle of Gandhi? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधी ने एक ऐसे नवीन मार्ग प्रदान किया जो न तो उदारवादी था न ही मार्क्सवादी। वह एक व्यावहारिक आदर्शवादी थे जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता में सत्य, अहिंसा प्रेम का मार्ग प्रदान किया।

गांधी अपनी पुस्तक Experiment With my Truth में लिखते है कि उनके विचार कोई विचारधारा नहीं अपितु सत्य के साथ मेरे प्रयोग है। गांधी ने कहा राजनीति कोई सत्ता भोगने का नाम नहीं है। वह धर्मविहीन राजनीति को मृतदेह के समान मानते थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उनके लिए उनका धर्म रिलीजन नहीं अपितु कर्तव्य था।

वह जैन व बौद्ध धर्म के अहिंसा के विचार से अत्यधिक प्रभावित थे। उनका साध्य तो अहिंसा, सत्य ही थी परंतु साधन के रूप मे उन्होंने राजनीति को अपनाया।

गांधी के सर्वोदय, ट्रस्टीशिप, सत्याग्रह, विकेन्द्रीकृत लोकतंत्र, हरिजन उद्धार, रचनात्मक कार्यक्रम, आदि सभी का आधार अहिंसा, सत्य और धर्म था। गांधी के लिए साध्य और साधन दोनो की पवित्रता जरूरी थी। जैसा कि चौरा चौरी काण्ड के बाद आंदोलन वापस लेने मे दिखता है।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वह टॉलस्टॉय, जॉन रस्किन, आदि से प्रभावित थे। उन्होंने मानव श्रम को अत्यधिक महत्व दिया।

गांधी के सत्याग्रह में विपक्षी से घृणा या हिंसा नहीं थी अपितु प्रेम व अहिंसा थी। दृष्टिकोण मे वह मार्क्स की तरह कोई क्रांति नही अपितु हृदय परिवर्तन पर बल दे रहे थे।

प्रकृति को लेकर वह सहअस्तित्व का विचार देते है उन्होंने सर्वधर्मसमभाव का समर्थन किया। वह सर्वोदय द्वारा सभी के उत्थान के समर्थक थे।

अतः गांधी उत्तर आधुनिकतावादी विचारक थे। उन्होंने अहिंसा व प्रेम द्वारा भारत जैसे बड़े देश मे आजादी मे बहुमूल्य योगदान दिया।

खण्ड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

Answer the following in about 150 words each:

(a) सामाजिक पूंजी के रूप में जाति के विषय पर प्रकाश डालिये।

Throw light on caste as social capital.

भारत में वैदिक युग से वर्ण के रूप में स्तरीकरण देखा गया। बौद्धकाल में आकर यह जाति में तब्दील हुआ। वर्तमान समय में (जाति) यह बदल के केन्द्र में स्थित है।

सामाजिक पूंजी के रूप में जाति

- गांधी वर्ण व जाति को अलग मानते थे। उन्होंने वर्ण को समाज के आवश्यक आर्थिक माना।
- अम्बेडकर जाति प्रथा के Radical थे इसलिए वह इसे सामाजिक पूंजी नहीं मानते बल्कि शोषण का कारण कहते।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- श्रीनिवासन जैसे समाजशास्त्रियों ने जाति पर अनेक कार्य किया। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायित्व लाता है।
- समाज में गर्व व समूह का विरोध करता है।
- जाति अपने समूहों को आगे बढ़ाती है।
- जाति आंदोलन या जाति समूह अपनी जातियों की समस्या को दूर करके प्रोत्साहित व सहायता करते हैं।

अतः जातिवाद एक समस्या है परंतु सरोकार के रूप में और स्थायित्व के रूप में सहायक है।

(b) राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियाँ।

Discretionary powers of Governor.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत मे संघवाद को अपनाया गया है जहाँ संघवाद का झुकाव केन्द्र की तरफ है ऐसे मे राष्ट्रपति (कार्यपालिका) राज्य मे राज्यपाल की नियुक्ति करती है

अनुच्छेद 163 मे यह प्रावधान है कि राज्यपाल मुख्यमंत्री के परामर्श पर कार्य करेगा परंतु उसमे कुछ विवेकाधीन शक्तियां होगी। जो निम्न है –

① मुख्यमंत्री की नियुक्ति के समय जिसे बहुमत प्राप्त हो तब नही परंतु ~~त्रिशंकु~~ त्रिशंकु विधानसभा के समय भूमिका अहम।

② विधेयको को आरक्षित करने

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनु. 200 → राष्ट्रपति के लिए आरक्षित

(3) अनु. 356 राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के समय / राज्यपाल यदि रिपोर्ट देता है कि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो गया है

(4) अनु. 5 व 6 को लेकर जनजातीय प्रशासन में (अनु. 371 में भी)।

चुनौतियाँ
- → केन्द्र का एजेंट
- → विधेयक आरक्षित को लेकर जैसे- नीट बिल
- ↓ चांसलरो की नियुक्ति → केरल

ऐसे में पुंछी आयोग, सरकारिया आयोग की सलाह उपयुक्त है SR. बोम्मई केस भी महत्वपूर्ण है अतः राज्यपाल को लेकर विवाद राजनीतिक ज्यादा लोकतांत्रिक कम है

drishti | दृष्टि The Vision

(c) उदारीकरण और वैश्वीकरण के युग में राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व (DPSP) की प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिये।
Comment on the relevance of the DPSP in an era of liberalization and globalization.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत के संविधान में सामाजिक आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए अनु. 36-51 तक DPSP का प्रावधान किया गया है यह अनु. 37 अर्थात् कल्याणकारी राज्य के विचार के संगत है

LPG के बाद इन पर प्रश्न चिन्ह लगे। क्योंकि भारत सरकार ने निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया, पूंजीवाद की तरफ झुकाव रखा समाजवाद को छोड़ा। दुनिया में अन्तर्निर्भरता बढ़ रही है ऐसे में सामाजिक आर्थिक अधिकार अर्थात DPSP पर सवाल उठने लगे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रासंगिकता

- महिला सशक्तीकरण अनु. 39(2), 46
  - ↳ वर्तमान मे 106 वां संशोधन
- सामाजिक न्याय → अनु. 46
  - ↳ पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना
  - ↳ SC/ST संबंधित योजनाएँ → हेल्थ, अभ्युदय, आश्रय
- शिक्षा
  - ↳ RTE अधिनियम
    - ↳ 86 वां संशोधन
- पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान 34 ग्लोबल वार्ड को संतुलित सतत विकास मे SDG लक्ष्यों को पाना।
- 73 वां 74 वां संशोधन अनु. 40 विकेन्द्रीकरण मे सहायता।

अतः वर्तमान समय मे उपरोक्त के बाद DPSP का महत्व बढ़ गया है

drishti दृष्टि The Vision

(d) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के नव-मानवतावादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिये।
Discuss the radical humanist perspective of Indian national movement.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एम. एन राय ने नवमानवतावादी परिप्रेक्ष्य दिया जो वैज्ञानिकता पर आधारित था। पहले अरविन्दो भी महामानववाद का विचार दे चुके थे।

एम. एन राय ने मानव स्वतंत्रता को विशेष महत्व दिया इन्होंने इसी आधार पर फासीवाद व मार्क्सवाद की आलोचना की। इनका मानववाद गांधी की तरह नैतिकता या आध्यात्मिकता पर आधारित नहीं था बल्कि इन्होंने वैज्ञानिकता, तर्क पर आधारित मानवतावादी दृष्टिकोण का समर्थन किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नेहरू भी मानववादी थे और वह लोकतांत्रिक संस्थाओं के द्वारा मानवता की स्थापना करना चाहते थे।

इस प्रकार एम.एन. रॉय का वैज्ञानिक मानवतावाद रेडिकल मानवतावाद था। जो शिक्षा के क्रांति की आधार रखता था।

drishti | दृष्टि The Vision

(e) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सुधार आंदोलनों को जन्म देने वाले कारक क्या थे? चर्चा कीजिये।
What were the factors that gave rise to reform movements during the Indian freedom struggle? Discuss.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एक दीर्घ प्रक्रिया है जो जनजातियो किसानो 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन से शुरू होकर सत्याग्रह अहिंसा, कम्युनिस्ट, दलित, महिला, श्रमिको के आंदोलन को लेकर चला।

कारक →

① दलित परिप्रेक्ष्य → सामाजिक आंदोलन मे गांधी ने हरिजन उद्धार कार्यक्रम चालू किया। इसमे अम्बेडकर, पेरियार का विशेष महत्व।

② समाजवादी → इसने आर्थिक स्वतंत्रता को केन्द्र मे ला दिया।

1917 की रूसी साम्यवादी क्रांति ने इसे आधार प्रदान किया।

(3) महिला → सरोजिनी नायडू, अरुणा आसफ अली, आर्य महिला समाज (रमाबाई पण्डित) आदि ने यह आधार रखा और महिला अधिकारों की वकालत की।

(4) श्रमिक सुधार → AITUC की गठन, मार्क्सवाद की उत्पत्ति ने इसका आधार रखा।

(5) गरमपंथी विचारधारा (बाल-लाल-पाल) ने स्वराज्य को केन्द्र में रख दिया।

अतः यह आंदोलन राजनीतिक के साथ-2 आर्थिक सामाजिक भी था।

drishti | दृष्टि The Vision

6. (a) हाल ही के दिनों में स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने से अर्थशास्त्र के गांधीवादी मॉडल को पुनर्जीवित किया गया है। टिप्पणी कीजिये। 20

Promotion to Self Help Groups in recent times has revived Gandhian Model of Economics. Comment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वयं सहायता समूह ऐसे लोगो का समूह है जिनमे लगाव, समता निर्माण और सूक्ष्म वित्तीयन होता है भारत मे 80-85% महिला SHG है वही यह गांधी के विकेन्द्रीकृत, ग्राम स्वराज्य, कुटीर उद्योग, वर्धा शिक्षा योजना, सर्वोदय की भावना के अनुरूप है

गांधीवादी मॉडल मे अर्थव्यवस्था को विकेन्द्रीकृत करने पर विशेष बल दिया गया। यहाँ मानव श्रम का अत्यधिक महत्व है यह ट्रस्टीशिप की धारणा के सिद्धांत पर कार्य करता है जहाँ संपत्तिशाली संपत्ति के मात्र संरक्षक है कुटीर उद्योग द्वारा भारी मशीनरी का विरोध किया जाता है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

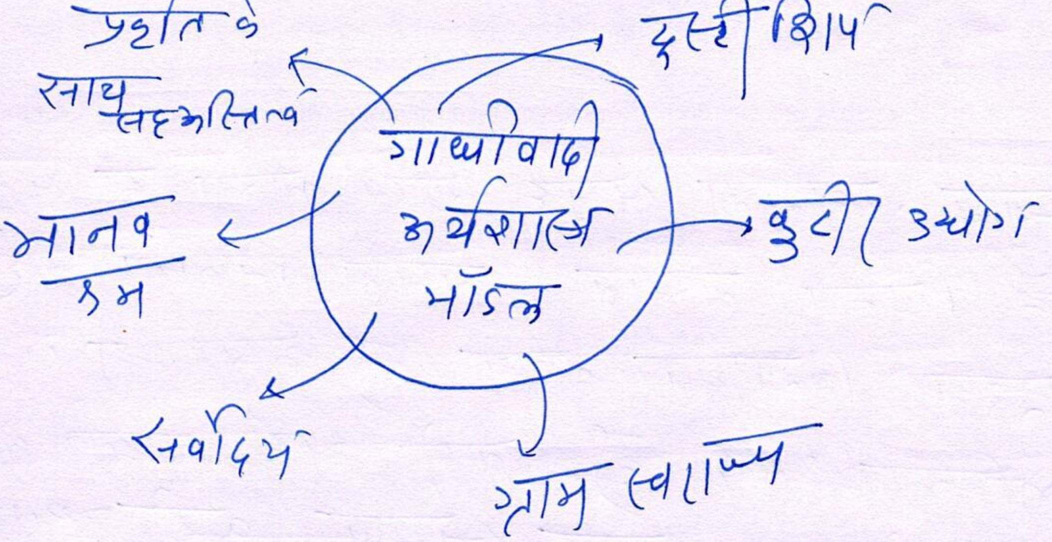

गांधीवादी मॉडल के अनुरूप ही SHG का विकास हुआ। इस मॉडल ने SHG को आधार रखा तथा प्रोत्साहन किया। SHG में कुटीर उद्योग, हाथ से श्रम को विशेष महत्व है इसमें भी समूह की महिलाएँ ट्रस्टीशिप की तरह कार्य करती। आवश्यकता पड़ने पर सूक्ष्म वित्तीयन भी करती उदाहरण के लिए सखी रिटेल, कुरबकी, जीविका आदि SHG

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अभूतपूर्व कार्य कर रही।

इसमें ग्राम स्वास्थ्य का स्वप्न साकार हो रहा है और शक्ति का विकेन्द्रीकरण हो रहा है क्योंकि यह अधिकांश ग्रामीण महिलाओं का समूह है।

यह गांधी के प्रकृति सहअस्तित्व के विचार को भी प्रेरक है। SHG इको फ्रेंडली उत्पाद का निर्माण करती है जैसे - बम्बू द्वारा घर के सजावट के सामान द्वारा पत्ती द्वारा पत्तल।

यह गांधी के सर्वोदय के विचार भी अनुकूल है। SHG में सभी महिलाओं का एक साथ कल्याण किया जाता है। यह गांधी के हरिजन उद्धार का भी

drishti दृष्टि The Vision

समर्थन कर रही है SHG में 70-80% महिलाएँ SC/ST वर्ग से आती है

वर्तमान में भारत में 85000 उत्कृष्ट SHG कार्य कर रही है यह महिला सशक्तीकरण व सामाजिक न्याय के विचार को आगे बढ़ा रही है सन 1992 में बैंक-लिंकेज प्रोग्राम के बाद SHG ने वित्तीयन में काफी तरक्की की है

इस प्रकार SHG और गांधीवादी मॉडल में अंतः समानता है इसने गांधी के सर्वोदय के विचार को अच्छे से प्रकल्पित किया है यह ग्राम स्वराज्य और विकेन्द्रीकरण का आधार है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) 74वाँ संविधान संशोधन अपूर्ण है। इस संदर्भ में, 74वें संविधान संशोधन के परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये वांछित परिवर्तनों पर चर्चा कीजिये। 15

74th Constitutional amendment is half-baked. In this context, discuss the desired changes to realize the envisaged goal of 74th Constitutional Amendment Act 1992. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

74 वाँ संविधान संशोधन नगरीय प्रशासन से संबंधित है। यह लोकतंत्र के विकेन्द्रीकरण का आधार है इसने बहुस्तरीय प्रशासन को सुनिश्चित किया है परंतु इसमे अभी कुछ समस्याएँ बनी हुई है।

74 वां संशोधन
- नगर पंचायत
- नगर पालिका
- महानगर निगम

74 वे संशोधन मे निम्न प्रावधान किए गए है -

① समय पर चुनाव

② आरक्षण
- → SC/ST आबादी अनुरूप
- → महिला → 33%
- → कमजोर वर्ग → राज्य चाहे

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) अनुसूची 12 में 18 विषय यथा- साफ सफाई, कूड़ा प्रबंधन, मेला कर, आदि।

(4) राज्य निर्वाचन आयोग (243 I) तथा वित्त आयोग का प्रावधान।

प्रो० एन पी सिंह ने कहा कि जहाँ स्विटजरलैण्ड में सत्ता के तीनो स्तर पर शक्ति व वित्त का समान बंटवारा है वैसा भारत में नहीं।

74 वें संशोधन में विफलता

(1) फण्ड, फंक्शन, फंक्शनलिटी की समस्या। जहाँ वित्त, प्रशासन आदि विषय के रूप में राज्य सरकार पर आश्रित

(2) चुनाव को लेकर राज्य के कानून जैसे कहीं मेयर प्रत्यक्ष तो कहीं

अपकर्ष

(3) राज्य को शक्ति अधिक देने के कारण नगर स्वशासन प्रशासन/राज्य की एक मशीनरी के रूप में कार्य करते।

(4) शक्ति मेयर में न होकर आयुक्त में।

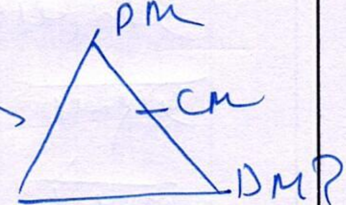

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वांछित परिवर्तन →

(1) सरकारिया आयोग/कार्य मैन्युअल ने फंड, फंक्शन, फंक्शनरीज की समस्या दूर करने / 18 विषय सौंपने।

(2) 15वें वित्त आयोग केन्द्र द्वारा प्रत्यक्षतः हस्तांतरण — शर्त सहित / बिना शर्त (लगभग 4.5 लाख करोड़ का)

(3) नवीन स्थानिकतावाद (ब्रिटेन में टोनी ब्लेयर ने शुरू)

(4) खुद का प्रशासन / केरल में देखने को मिलता।

अतः नगरीय स्वशासन सहभागी व प्रतिनिधिक लोकतंत्र का आधार है जो भारत के 2047 के विकसित भारत और 2050 तक 60% शहरी जनसंख्या का आधार बन सकते।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) भारत में दलीय प्रणाली न तो पश्चिमी है और न ही स्वदेशी है। परीक्षण कीजिये। 15
Party system in India neither western nor indigenous. Examine. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत मे ब्रिटेन की तरह संसदीय प्रणाली को अपनाया गया। यहाँ प्रतिस्पर्धीय बहुदलीय प्रणाली का प्रारम्भ है भारतीय दलीय प्रणाली अपने आप मे अनूठी है

जहाँ अमेरिका, ब्रिटेन मे द्विदलीय प्रणाली क्रमशः डेमोक्रेटिक रिपब्लिक तथा लेबर, कंजर्वेटिव का विकास हुआ वही नार्डिक देशों मे आनुपातिक दलीय प्रणाली है यहाँ कई दल सत्ता मे आते है तो वही भारत मे ऐसा देखने को नहीं मिलता।

भारत मे वर्तमान मे 2000 से ज्यादा पंजीकृत तो 6 राष्ट्रीय दल है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऐसे में भारतीय दलीय प्रणाली
की विशेषता →

(1) प्रथम बोर्ड ने 1952 से 1977 के समय को कांग्रेस पद्धति कहा है जहाँ कांग्रेस एकदलीय प्रभुत्व के रूप में उभरी।

(2) 1977 में ऐसा लगा कि द्विदलीय प्रणाली स्थापित होगी पर न हुई।

(3) 1989 के बाद गठबंधन का दौर आया जो पूरे विश्व में अनूठा है।

(4) आगे NDA व UPA का विकास पूरी दुनिया से अलग है जहाँ दो दल न होकर कई पार्टियाँ एक साथ आकर चुनाव लड़ रही थी।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) छगनलाल वर्मा ने कहा भारत में कुछ ऐसे दल है जो एक सीट से ज्यादा चुनाव लड़ते नहीं और द्वितीय पर भी आते नहीं।
जैसे → HAM, Republican Party

(6) भारत में दलों का विकास धर्म (शिवसेना, मुस्लिम लीग), जाति (बीएसपी), क्षेत्र (डीएमके), भूमिपुत्र (सपा), नए राज्य की मांग (JMM) आदि आधार पर भी हुआ है।

इस प्रकार 2014 के बाद एकदलीय प्रभुत्व तो 18 वीं लोकसभा (2024) चुनाव के बाद फिर राजनीति NDA और INDIA गठबंधन में बंट गयी जो बिल्कुल अलग विशेषता है।

drishti
दृष्टि The Vision

7. (a) भारतीय संविधान के पॉलिटिकल होरोस्कोप के आवश्यक तत्त्वों की विवेचना कीजिये। 20

Discuss the essential ingredients of the political horoscope of the Indian constitution. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत का संविधान एक विस्तृत व विविध विचारों वाला है। के० एम मुंशी ने भारत के राजनीतिक जन्मकुण्डली की बात कही है जो भारत जैसे विशाल देश के लिए अनुकूल है।

आवश्यक तत्व →

① संसदीय व्यवस्था → भारत ने ब्रिटेन से संसदीय व्यवस्था अपनायी परंतु संसदीय सर्वोच्चता के जगह संविधान की सर्वोच्चता को स्वीकार किया।

② लोकतांत्रिक गणतांत्रिक सरकार → भारत ने शासन के प्रमुख राष्ट्रपति को निर्वाचन के आधार पर रखा न कि ब्रिटेन की तरह राजतंत्रीय शासन और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम को अपनाया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) **शक्ति के पृथक्करण** → भारत ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में संतुलन को अपनाया था अमेरिका की तरह कठोर नहीं है। यहाँ कार्यपालिका विधायिका से चुनी जाती है।

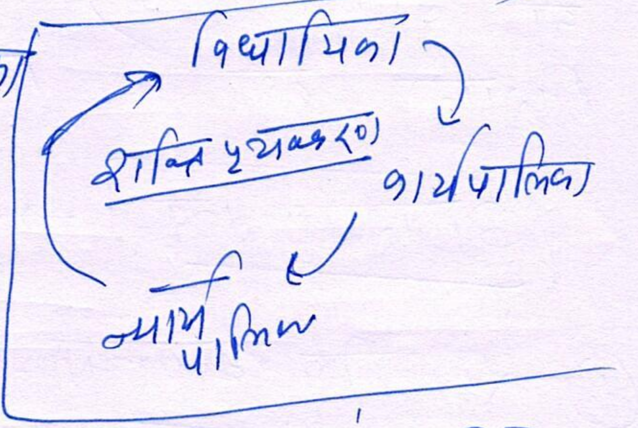

(4) **संघवाद** → भारत का संघवाद कनाडा की तरह है। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था "हमारा संघवाद कोई समझौते का परिणाम नहीं है" इसे ही ऑस्टिन ने सहकारी संघवाद कहा। हमने केन्द्र को ज्यादा शक्ति दी जिससे एकता व अखण्डता पर कोई चोट न आए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⑤ अधिकार और निदेशक तत्व →

अनु. 12-35 तक हमने नागरिक अधिकारों में 6 प्रकार के अधिकार व स्वतंत्रता का वर्णन किया।

जबकि सामाजिक आर्थिक समानता के लिए हमने निदेशक तत्वों का प्रावधान (अनु. 36-51) के बीच में किया। जो कल्याणकारी राज्य का आधार है।

⑥ स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका →

अनु. 124 से SC का प्रावधान है। यह हमारे मूलाधिकारों व संविधान की संरक्षक है। 1973 के केशवानंद भारती केस के बाद न्यायालय ने संसद पर बेसिक स्ट्रक्चर द्वारा संवैधानिक प्रतिबंध लगाया है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(7) पंथनिरपेक्षता, अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा → अनु. 25-30 इसका वर्णन करते हैं हमने अमेरिका या फ्रेंच मॉडल न अपनाकर सर्वधर्म समभाव और सर्वधर्म संवर्द्धन का प्रावधान किया। जनजातीय के विशेष प्रावधान।

(8) सामाजिक न्याय → आरक्षण - 16(4), 330, 332 द्वारा समाज के वंचित वर्गों का उत्थान

(9) महिला सशक्तीकरण → अनु. 15 लैंगिक विभेद की समाप्ति और वर्तमान में 106 वां संशोधन विधानसभा व लोकसभा में आरक्षण।

(10) अनु. 371, अनुसूची 5 व 6 आदि द्वारा विविधता का समर्थन।

अतः भारत का राजनीतिक दृष्टिकोण विविधता में एकता का अनूठा उदाहरण है जो आज 77 साल बाद भी बना हुआ है

(b) समान नागरिक संहिता के विषय से जुड़े बहस पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the debate around the Uniform Civil Code. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के अनु. 44 में समान नागरिक संहिता का प्रावधान किया गया है। इस पर राज्य व केन्द्र दोनों कानून बना सकती हैं।

विभिन्न परिप्रेक्ष्य →

- संविधान निर्माण के समय डॉ० अम्बेडकर UCC निर्माण के पक्ष में थे पर के.टी. शाह ने कहा वर्तमान समय में यह आवश्यक नहीं है।
- सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो और शायरा बानो केस के बाद UCC निर्माण की वकालत की।
- गोवा, उत्तराखण्ड जैसे राज्यों ने लागू कर दिया है।
- वर्तमान सरकार ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर आह्वान किया।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पक्ष मे कारण

① महिला सशक्तीकरण मे सहायक क्योंकि हलाला, तीन तलाक (अर्थात प्रथा) महिला समानता के विरोधी।

② भारत मे 1860 से ही फौजदारी कानूनों मे एकता है। यह सिविल जैसे- उत्तराधिकार, विवाह, तलाक आदि मे अलग-2 कानून है जो न्याय मे विसंगति पैदा करते। कानून मे Uniformity आएगी।

③ सुप्रीम कोर्ट का समर्थन

विपक्ष के कारण

① अनु. 25, 30 का विरोधी

② विधि आयोग पुरानी रिपोर्ट मे मना कर चुका है कि वर्तमान समय मे सही नहीं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना

(4) जनजातीय अधिकारों यथा अनु. 371 में व्यवधान

ऐसे में सरकार को सभी पक्षों से बात करके विश्वास में लेकर इसका निर्माण करना चाहिए। यह कानूनों में एकता और महिला सशक्तिकरण में सहायक है। सरकार इसे कई भागों में भी ला सकती है जैसे हिन्दू कोड बिल लाया गया था। अतः ऐसे में संतुलन व सामंजस्य के साथ आगे बढ़ते हुए इसे लागू करना चाहिए।

(c) समाज के पिछड़े वर्गों के अधिकारों के रक्षण, संवर्द्धन और संरक्षण में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की भूमिका का परीक्षण कीजिये। 15

Examine the role of the National Commission for Backward Classes in preserving, promoting and protecting the rights of backward sections of society. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के संविधान के अनु. 15, 16 में समाज के पिछड़े वर्गों के लिए उत्थान राज्य विशेष प्रावधान कर सकता है इसी परिप्रेक्ष्य में 102 वें संविधान संशोधन द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक बनाया गया। → अनु. 338(B)

मंडल आयोग की राजनीति के बाद OBC राजनीति का उभार हुआ। 1992 के इन्द्रा साहनी केस में पिछड़ा वर्ग आयोग बनाने का सुझाव था।

वर्तमान में कुछ प्रावधान

- → नियुक्ति → कार्यपालिका द्वारा
- → सदस्य → 01 अध्यक्ष, 03 सदस्य
  → 01 उपाध्यक्ष
- → कार्यकाल → 3 वर्ष

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्य और भूमिका →

(1) पिछड़ा वर्ग को अधिकार दिलाना। OBC आयोग को सिविल कोर्ट की शक्तियाँ प्राप्त है तो यह किसी को समन और गवाही के लिए बुला सकता।

(2) मंत्रालयों व सरकार को OBC के संरक्षण व संवर्द्धन संबंधित नीतियों के क्रियान्वयन व निर्माण में सहयोग व सुझाव।

(3) भारत की 52% आबादी (1931 जनसंख्या) पिछड़ा वर्ग में आती है ऐसे में यह विस्तृत व विविध कार्य करता है।

(4) OBC आरक्षण लागू करने में। जैसे - यूपी की शिक्षा भर्ती में।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियाँ

1. कार्यपालिका का अत्यधिक प्रयोग। राजनीति से प्रेरित लोग अध्यक्ष व सदस्य बनते जो पिछड़ा वर्ग से ज्यादा पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध।
2. अवसंरचना व फण्ड की कमी।
3. कार्यवाही की शक्ति नहीं। कार्यपालिका को ये सुझाव देंगे और कार्यपालिका कार्यवाही करे या नहीं।

अतः समय की मांग के अनुसार व पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग को स्वायत्ता प्राप्त होनी चाहिए। OBC आरक्षण को सही तरीके से लागू करवाने में सहायक होना चाहिए। और एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण में सहायक होना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

8. (a) दबाव समूहों की भूमिका समावेशी विकास के मूल आधार से भारत को एक आर्थिक केंद्र बनाने की धारणा तक विकसित हुई है। परीक्षण कीजिये। 20

The role of the pressure groups has evolved from the basic premise of inclusive development to the notion of making India as an economic hub. Examine. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

(b) क्या न्यायिक सक्रियता ने संसदीय लोकतंत्र को मज़बूत या कमज़ोर किया है? चर्चा कीजिये। 15

Whether judicial activism has strengthened or undermined parliamentary democracy? Discuss. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) हाल के विगत चुनावों के चुनावी व्यवहार में विकास ने जाति के प्रभाव को मंद किया है। चर्चा कीजिये। 15
Development has overshadowed the influence of caste in electoral behavior in recent elections. Discuss. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)